Roll No. ..... Total Printed Pages - 8

F-144

M.A. (First Semester)
EXAMINATION, Dec. - Jan., 2021-22
HINDI
Paper Fourth
आधुनिक गद्य साहित्य
[नाटक, एकांकी एवं रेखाचित्र (साहित्य)]

Time : Three Hours] ***[Maximum Marks:80***

नोटः निर्देशानुसार सभी खण्डों के उत्तर दीजिये।

खण्ड - अ

वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रश्न

(1 mark each)

नोट -सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सही उत्तर का चयन कीजिए।

1. चन्द्रगुप्त नाटक है-
   (A) ऐतिहासिक
   (B) सामाजिक
   (C) धार्मिक
   (D) काल्पनिक

2. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में विष्णुगुप्त नाम है-
   (A) चन्द्रगुप्त
   (B) आंभीक
   (C) चाणक्य
   (D) वररूचि
3. हानूश ने बनायी थी-
   (A) बंदूक
   (B) घड़ी
   (C) चाबी
   (D) छड़ी
4. भीष्म साहनी द्वारा रचित प्रथम नाटक है-
   (A) नीलोफर
   (B) तमस
   (C) हानूश
   (D) माधवी
5. दीपदान एकांकी में चित्तौड़ का कुलदीपक है-
   (A) चंदन
   (B) बनवीर
   (C) विक्रमादित्य
   (D) कुंवर उदयसिंह

6. दीपदान एकांकी में अपने पुत्र का बलिदान करती है-

(A) पन्ना धाय

(B) कीरतबारी

(C) सोना

(D) सामली

7. 'शीला' नायिका है-

(A) अशोक वन

(B) स्वर्ग से विप्लव

(C) एक दिन

(D) भगवान मनु

8. 'रीढ़' की हड्डी की नायिका उमा के पिता का नाम है

(A) शंकर

(B) रतन

(C) गोपाल प्रसाद

(D) रामस्वरूप

9. ''आपके लाडले बेटे की रीढ़ की हड्डी है भी या नहीं'' उमा के इस कथन से संकेत होता है-

(A) शंकर की बीमारी की ओर

(B) शंकर की चरित्र हीनता की ओर

(C) शंकर की कमजोरी की ओर

(D) शंकर के परिवार की ओर

10. उपेन्द्रनाथ अश्क की चर्चित एकांकी है-

(A) गिरती दीवारें

(B) पिंजरा

(C) दीप जलेगा

(D) तौलिए

11. ''स्वच्छता बुरी नहीं, पर तुम तो हर चीज को सनक की हद तक पहुँचा देती हो और सनक से मुझे चिढ़ हैं।'' यह कथन है-

(A) बसंत

(B) मधु

(C) सुरा

(D) मंगला

12. 'मम्मी ठकुराइन' एकांकी के एकांकीकार है-

(A) लक्ष्मीनारायण लाल

(B) लक्ष्मीनारायण मिश्र

(C) रामकुमार वर्मा

(D) उपेन्द्रनाथ अश्क

13. अतीत के चलचित्र है-

(A) संस्मरण

(B) रेखाचित्र

(C) डायरी

(D) पत्र

14. काव्या पत्नी है-

(A) रामस्वरूप की

(B) हानूश की

(C) गोपाल की

(D) बनवीर की

15. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में है-

(A) 4 अंक

(B) 5 अंक

(C) 6 अंक

(D) 7 अंक

16. चन्द्रगुप्त नाटक में 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' यह गीत गाया है-

(A) अल्का

(B) कार्नेलिया

(C) सिंहरण

(D) सुवासिनी

17. हानूश नाटक का सर्वप्रथम प्रदर्शन हुआ-

(A) दिल्ली

(B) मद्रास

(C) कलकत्ता

(D) बाम्बे

18. चन्द्रगुप्त नाटक का प्रकाशन वर्ष है

(A) 1915

(B) 1918

(C) 1925

(D) 1931

19. चन्द्रगुप्त नाटक में मौर्य साम्राजय के निर्माता हैं-

(A) चन्द्रगुप्त

(B) राक्षस

(C) चाणक्य

(D) कात्यायन

20. 'अतीत के चलचित्र' रचना लिखित है-

(A) सुमद्राकुमारी चौहान

(B) महादेवी वर्मा

(C) मृदुला गर्ग

(D) प्रभा खेतान

खण्ड - ब

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

(2 marks each)

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. चन्द्रगुप्त नाटक के दो प्रमुख परुष पात्रों के नाम लिखिए।

2. भीष्म साहनी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

3. दीपदान एकांकी की कहानी किस प्रसिद्ध स्थान की ऐतिहासिक घटना पर आधारित है?
4. आपके पाठ्यक्रम में कौन से एकांकीकार ऑल इंडिया रेडियों के डायरेक्टर जरनल थे?
5. जयशंकर प्रसाद के किन्हीं दो ऐतिहासिक नाटकों के नाम लिखिए।
6. दीपदान नाटक के प्रमुख दो पात्रों के नाम लिखिए।
7. हानूश नाटक के नायक एवं नायिका के नाम लिखिए।
8. आपके पाठ्यक्रम में कितने एकांकी निर्धारित हैं?

खण्ड - स

लघु उत्तरीय प्रश्न

(3 marks each)

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'दीपदान' एकांकी की सार्थकता बताइए।
2. चाणक्य की तीन चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
3. चन्द्रगुप्त नाटक रंगमंच की दृष्टि से असफल क्यों है?
4. रीढ़ की हड्डी का उद्देश्य लिखिए।
5. 'मम्मी ठकुराइन' एकांकी की प्रांसगिकता लिखिए।
6. पन्ना धाय के तीन चारित्रिक गुण लिखिए।
7. 'अतीत के चलचित्र' के किन्हीं तीन पात्रों के नाम लिखिए।
8. 'एक दिन' एकांकी की नायिका का संक्षेप्त में चरित्र - चित्रण कीजिए।

खण्ड - द

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(5 marks each)

1. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में ऐतिहासिकता एवं कल्पना का अद्भुत संगम है।'' इस कथन को सिद्ध कीजिए।

   या

   हानूश नाटक की समीक्षा लिखिए।
2. एकांकी तत्वों के आधार पर दीपदान अथवा तौलिए एकांकी की विवेचना कीजिए।
3. रेखाचित्र साहित्य में 'अतीत के चलचित्र' का स्थान निर्धारित कीजिए।

   या

   उमा का चरित्र - चित्रण कीजिए।
4. निम्नलिखित गद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

   त्याग और क्षमा, तप और विद्या-तेज सम्मान के लिए हैं- लोहे और सोने के सामने सिर झुकाने के लिए हम ब्राह्मण नहीं बने हैं। हमारी दी हुई विभूति से हमीं को अपमानित किया जाय, ऐसा नहीं हो सकता। कात्यायन अब केवल पाणिनि से काम न चलेगा। अर्थशास्त्र और दण्ड-नीति की आवश्यकता है।

   अथवा

   जी हाँ, हमारी बेइज्जती नहीं होती जो आप इतनी देर से नाप-तोल कर रहे हैं? और अपने साहबजादे से पूछिए कि अभी पिछली फरवरी में ये होस्टल के इर्द-गिर्द क्यों घूम रहे थें। मैंने बी0 ए0 पास किया है कोई पाप नहीं किया, कोई चोरी नहीं की। मुझे अपनी इज्जत-अपने मान का ख्याल तो है।